डाक-व्यय की पूर्व अदायगी के बिना डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत. अनुमति-पत्र क्र. रायपुर-सी.जी.

पंजी क्रमांक रायपुर डिवीजन



छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 225] रायपुर, बुधवार, दिनांक 3 अक्टूबर 2001—आश्विन 11, शक 1923

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

छत्तीसगढ़ मंत्रि-परिषद् द्वारा शोक संवेदना प्रस्ताव पारित

रायपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 2001

क्रमांक 407/2001/1/5.—छत्तीसगढ़ मंत्रि-परिषद् अत्यंत दुख के साथ लोकसभा सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री, श्री माधव राव सिंधिया के दिनांक 30 सितम्बर 2001 को हुए असामयिक व दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है. श्री सिंधिया जी के न रहने से न केवल छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है. वे छत्तीसगढ़ के विकास में हमेशा रुचि लेते थे. नया राज्य बनने के पश्चात् उन्होंने अनेक अवसरों पर छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिये उपयोगी सुझाव और मार्गदर्शन देने का कार्य किया. वे जनता की बेहतरी और देश की तरक्की के लिये हमेशा समर्पित हो कर काम करते रहे.

एक कुशल प्रशासक के रूप में श्री सिंधिया ने उन्हें सौंपे गये विभिन्न दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वाह किया. एक परिपक्व जन प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने भारत की संसदीय परंपराओं में अपनी दूर-दृष्टि और सूझबूझ की छाप छोड़ी है. वे एक ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे, जो हमेशा देश को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये कार्य करते रहे. उनका व्यक्तित्व पुरानी पीढ़ी के राजनेताओं की संपूर्ण नैतिक ताकत और वर्तमान पीढ़ी के नेताओं की नवीन और आधुनिक दृष्टिकोण का अद्भुत सम्मिश्रण था. छत्तीसगढ़ मंत्रि-परिषद् और प्रशासन, स्व. श्री माधव राव सिंधिया के राष्ट्र और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण और प्रभावशाली योगदान का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है. मंत्रि-परिषद् इस अवसर पर ईश्वर से यह भी प्रार्थना करता है कि वह उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.

पी. सी. सूर्य, उप-सचिव.

नियंत्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2001.